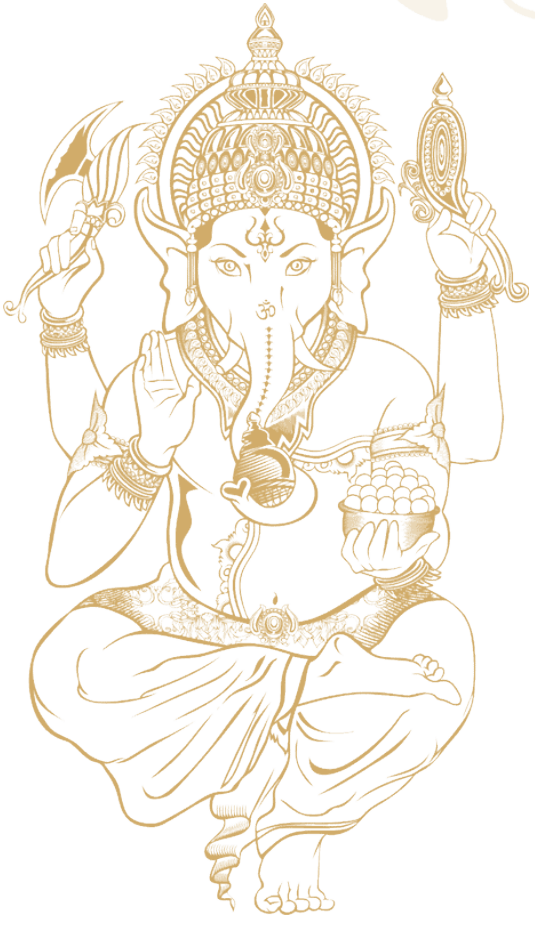

PARI SINGH

01 Jul 2012

10:30 AM

Mumbai

Model: web-freekundliweb

Order No: 121597302

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/07/2012**
दिन	रविवार
जन्म समय	**10:30:00 घंटे**
इष्ट	11:02:12 घटी
स्थान	**Mumbai**
राज्य	Maharashtra
देश	India

अक्षांश	18:58:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:51:20 घंटे
वेलान्तर	-00:03:54 घंटे
साम्पातिक काल	04:29:57 घंटे
सूर्योदय	06:05:07 घंटे
सूर्यास्त	19:19:52 घंटे
दिनमान	13:14:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	15:44:05 मिथुन
लग्न के अंश	14:42:39 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शुभ
करण	कौलव
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नू-नूतन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	14:42:39	337:52:31	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	---
सूर्य			मिथु	15:44:05	00:57:11	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	सम राशि
चंद्र			वृश्चि	10:13:25	14:44:31	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	शुक्र	नीच राशि
मंगल			कन्या	04:45:20	00:31:08	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
बुध			कर्क	11:28:39	00:56:50	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	चंद्र	शत्रु राशि
गुरु			वृष	10:16:11	00:12:45	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	शत्रु राशि
शुक्र			वृष	13:41:35	00:08:00	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	राहु	स्वराशि
शनि			कन्या	28:45:22	00:00:35	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	शनि	मित्र राशि
राहु			वृश्चि	10:41:35	00:00:03	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	शत्रु राशि
केतु			वृष	10:41:35	00:00:03	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	चंद्र	सम राशि
हर्ष			मीन	14:26:42	00:00:35	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	---
नेप	व		कुंभ	08:55:57	00:00:49	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
प्लूटो	व		धनु	14:11:11	00:01:31	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	15:08:49	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:02:10

लग्न-चलित

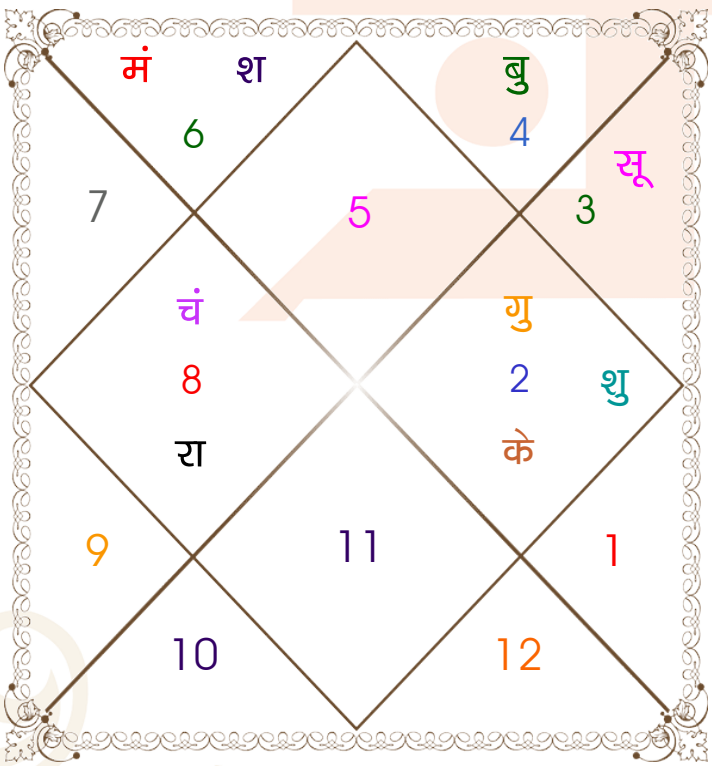

चन्द्र कुंडली

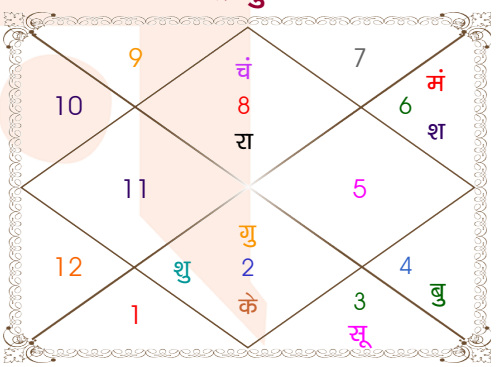

नवमांश कुंडली

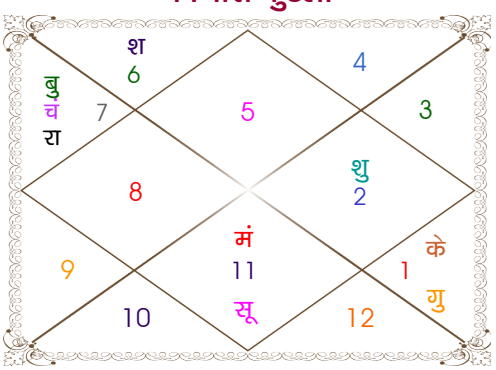

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 9 वर्ष 2 मास 5 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
01/07/2012		05/09/2021		06/09/2038		05/09/2045		05/09/2065	
05/09/2021		06/09/2038		05/09/2045		05/09/2065		06/09/2071	
	00/00/0000	बुध	02/02/2024	केतु	02/02/2039	शुक्र	05/01/2049	सूर्य	24/12/2065
	00/00/0000	केतु	29/01/2025	शुक्र	03/04/2040	सूर्य	05/01/2050	चंद्र	25/06/2066
	01/07/2012	शुक्र	30/11/2027	सूर्य	09/08/2040	चंद्र	06/09/2051	मंगल	30/10/2066
शुक्र	27/08/2012	सूर्य	06/10/2028	चंद्र	10/03/2041	मंगल	05/11/2052	राहु	24/09/2067
सूर्य	09/08/2013	चंद्र	07/03/2030	मंगल	06/08/2041	राहु	06/11/2055	गुरु	12/07/2068
चंद्र	10/03/2015	मंगल	04/03/2031	राहु	24/08/2042	गुरु	07/07/2058	शनि	24/06/2069
मंगल	18/04/2016	राहु	21/09/2033	गुरु	31/07/2043	शनि	05/09/2061	बुध	01/05/2070
राहु	23/02/2019	गुरु	27/12/2035	शनि	08/09/2044	बुध	06/07/2064	केतु	06/09/2070
गुरु	05/09/2021	शनि	06/09/2038	बुध	05/09/2045	केतु	05/09/2065	शुक्र	06/09/2071

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/09/2071		05/09/2081		05/09/2088		07/09/2106		07/09/2122	
05/09/2081		05/09/2088		07/09/2106		07/09/2122		00/00/0000	
चंद्र	06/07/2072	मंगल	02/02/2082	राहु	19/05/2091	गुरु	25/10/2108	शनि	09/09/2125
मंगल	04/02/2073	राहु	20/02/2083	गुरु	12/10/2093	शनि	08/05/2111	बुध	20/05/2128
राहु	06/08/2074	गुरु	27/01/2084	शनि	18/08/2096	बुध	13/08/2113	केतु	28/06/2129
गुरु	06/12/2075	शनि	07/03/2085	बुध	07/03/2099	केतु	20/07/2114	शुक्र	02/07/2132
शनि	07/07/2077	बुध	04/03/2086	केतु	26/03/2100	शुक्र	20/03/2117		00/00/0000
बुध	06/12/2078	केतु	31/07/2086	शुक्र	27/03/2103	सूर्य	06/01/2118		00/00/0000
केतु	07/07/2079	शुक्र	30/09/2087	सूर्य	18/02/2104	चंद्र	08/05/2119		00/00/0000
शुक्र	07/03/2081	सूर्य	05/02/2088	चंद्र	19/08/2105	मंगल	13/04/2120		00/00/0000
सूर्य	05/09/2081	चंद्र	05/09/2088	मंगल	07/09/2106	राहु	07/09/2122		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 9 वर्ष 2 मा 1 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। सिंह लग्नोदय काल ही सिंह राशि का नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। आपका जन्म प्रभाव यह प्रमाणित कर रहा है कि आपका जीवन सर्वोत्तम प्रकार से व्यतीत होगा। ऐसा तो आपके जीवन का 28 वें वर्ष से आपका समय अच्छे होने लग जाएंगे। आयु के 28 वें वर्ष से 32 वें वर्ष की आयु तक का समय बहुत ही उत्तम एवं अनुकूल होगा।

आपके जीवन का बृहत्तर भाग मखमली अर्थात् ''पांचों उंगुली घी में'' जैसा लाभजनक रहेगा। इस समय आपके जीवन के सभी आवश्यक पक्ष संतोषजनक रहेंगे। आपके लिए सौभाग्य प्रदान करने वाला ऐसा समय हस्तगत होगा कि आप मिट्टी छूओ तो सोना बन जाएगा और आप जिस कार्य को हस्तगत कर लोगी उसी में सफल हो जाओगी।

आप इस बात को अच्छी प्रकार जानती हैं कि लोगों के साथ धन संपत्ति का लेन-देन अर्थात् आदान प्रदान कैसे करेंगी। आपमें यह सामार्थ्य निहित है कि लोगों को अपने पक्ष में लेकर, दूसरों पर किस प्रकार प्रशासन करेंगी। आप किस प्रकार लोगों से सहयोग प्राप्त कर प्रचूर मात्रा में लाभान्वित होंगी तथा आपका कार्य व्यवधान रहित होकर प्रगति करेगा। जब आप किसी को वस्तु उधार दे देती हैं और कोइ समस्या उत्पन्न हो जाती है। आप धैर्यपूर्वक संपर्क स्थापित कर समस्या का समाधान कर उस धन या वस्तु को प्राप्त कर लेती हैं।

आप में एक अन्य प्रकार की भव्य क्षमता विद्यमान हैं। वह यह है कि आप यह जानती हैं कि आप अपने से उच्च अधिकारी को किस प्रकार प्रभावित करेंगी तथा सर्वोच्च अधिकारी से संपर्क अर्थात् सानिध्यता प्राप्त कर लेती हैं। परिणाम स्वरूप आप लाभप्रद, अधिकारपूर्ण पद प्रतिष्ठा प्राप्त कर लेंगी। यथा कंपनी का प्रबंधक, अथवा किसी भी निगम और परिषद का निर्देशक पद आदि। आप निश्चित समय पर ऐसी युक्ति पूर्ण चाल को अच्छी प्रकार अपने अधिकारी के पास प्रस्तुत कर देंगी। ताकि आप की चाल सफल हो जाती है। आप में एक अच्छे नेता के गुण विद्यमान है।

आप अनेक कलाओं की ज्ञाता एवं सक्षम हैं। आप किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेने में तथा किसी भी विरोधात्मक परिस्थिति को पार कर लेने में सक्षम है तथा विरोधियों को परास्त कर सकती हैं। आप अपने किसी भी शत्रुओं के साथ संघर्ष करके विजय श्री प्राप्त करेंगे।

आपकी प्रभावशाली उपस्थिति हाव-भाव तथा आकर्षण विपरीत योनि के प्राणी के साथ रहेगा। जिस प्रकार चुंबक अपने आकर्षण शक्ति का प्रभाव लौह पर दिखाता है। उसी प्रकार आपके आकर्षण से पुरुष वशीभूत हो जाया करेंगे। आपकी इस प्रकार की प्रवृति से आपका समय आनंददायक प्रतीत होता है। परंतु इस प्रकार की प्रवृत्ति तथा कार्य कलाप से आपका पारिवारिक जीवन बाधित हो सकता है। आपके पास पति बच्चे एवं आनंददायक भवन का सुख उपलब्ध हो सकता है। अस्तु निरंतर इस पथ पर नहीं चलें। आपके साथ ऐसी समस्या जुडी है कि आप पूर्णरूपेण विश्राम नहीं कर पाती । उत्तम स्वास्थ्य के लिए आपको सतर्क रहना चाहिए।

आप सदैव अनेक प्रकार के कार्यक्रमों में सम्मिलित होने के लिए एक साथ प्रस्थान करती हैं। आपके द्वारा घोर परिश्रम किए जाने से स्नायुविक शक्तियां बुरी तरह पूर्ण रूपेण प्रभावित हो रही हैं। इस प्रकार कुछ समय वर्षों के पश्चात् आपको ह्रदय से संबंधित समस्याएं, गांठ-गांठ में तथा रीढ़ की हड्डियों में दर्द, रक्तचाप रोगादि से कष्ट समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु विश्राम भी ग्रहण किया करें।

आप सदैव अपनी एवं अपने परिवार की प्रतिष्ठा के प्रति सतर्क रहती हैं। चाहे कुछ भी हो जाए आप इस बात के लिए किसी भी परिस्थिति में कोई भी समझौता करने को तैयार नहीं हो सकती हैं।

आपके लिए उपयुक्त कार्यव्यवसायों में राजकीय केंद्रीय सरकार की सेवा के अतिरिक्त ट्रांसपोर्ट व्यवसाय, होटल उद्योग अथवा फोटोग्राफी व्यवसाय आदि अनुकूल है।

आपके लिए नारंगी रंग, लाल एवं हरा रंग अनुकूल है। परंतु नीला, सफेद एवं काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक भाग्यशाली अंक है, परंतु आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक सर्वथा प्रतिकूल है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।